फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 324 प्रभात जयपुर, सोमवार 26 जून , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

The Whiskered Journey

Cats have an innate understanding of personal boundaries. One can forge deep connections without sacrificing freedom and individuality.

Tiny Glossy Red Cherry!

Dress Up Your Little Girl For Summer | The most popular colours for this season

नॉदर्न अलास्का में जब सर्दियां शुरु होती हैं तब आर्कटिक ग्राउण्ड स्क्विरल (गिलहरी की एक प्रजाति) जमीन में 3 फीट गहरा बिल बनाती हैं और जब तापमान शून्य से भी नीचे चला जाता है तब इस बिल में 8 माह तक शीत निष्क्रियता करती हैं। इस दौरान इनके शरीर में भारी परिवर्तन आते हैं, जो उन्हें जिंदा बनाए रखते हैं। जैसे, तापमान बहुत नीचे गिरकर 27 डिग्री फैरनहाइट तक पहुँच जाता है। फिर वसंत में ये बाहर निकलती हैं और भोजन व साथी की तलाश में जुट जाती हैं। परंतु धरती गर्म हो रही है, जिससे शीत निष्क्रियता की प्रक्रिया में भी व्यवधान पड़ रहा है। अब बसंत भी जल्दी आ जाता है और मादाएं बिल से जल्दी बाहर आ जाती हैं। लेकिन दूसरी ओर लगता है कि, नर पर इसका प्रभाव नहीं पड़ा है, वे निश्चित समय पर ही बिल छोड़ते हैं। इस असंतुलन के कारण प्रजनन की सफलता प्रभावित हो रही है। शोधकर्ताओं ने अलास्कन आर्कटिक जलवायु के 25 साल के डेटा का विश्लेषण किया और पाया कि, मादा गिलहरी पूर्व की तुलना में दस दिन पहले ही शीत निष्क्रियता से बाहर आ जाती हैं। सहशोध लेखक कोरी टी. विलियम्स, जो कोलोराडो स्टेट युनिवर्सिटी में जीव वैज्ञानिक हैं, ने कहा कि, 25 साल की अवधि में दस दिन का अंतर पड़ना कोई बड़ी बात नहीं है, पर जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में देखें तो यह बहुत तीव्र बदलाव है। आर्कटिक ग्राउण्ड स्क्विरल की आबादी अच्छी खासी है और आई.यू.सी.एन. ने इन्हें "लीस्ट कन्सर्न" वर्ग में रखा है। पर, यदि इनकी आबादी में कमी आई तो खाद्य श्रृंखला गड़बड़ हो सकती है। आर्कटिक के कई परभक्षी भोजन के लिए इन्हीं पर आश्रित हैं। पूर्व में नर स्क्विरल शीत निष्क्रियता से मादा की तुलना में एक माह जल्दी बिल से बाहर निकलते थे, क्योंकि नर आर्कटिक ग्राउण्ड स्क्विरल को प्रजनन योग्य बनने के लिए समय लगता है। उनके टैस्टिकल (अण्डकोष) पतझड़ में नष्ट हो जाते हैं, फिर दोबारा उगते हैं। इसके अलावा शीत निष्क्रियता में उनका टैस्टोस्टैरॉन हारमोन भी कम हो जाता है। हालांकि, अभी भी नर ही बिल से पहले निकलते हैं, पर अब मादा जल्दी निकलने लगी हैं और नर को, प्रजनन के लिए परिपक्व होने के लिए जो समय मिलता था वो कम हो गया, इससे प्रजनन प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। हालांकि, कुछ शोधकर्ता शीतनिष्क्रियता जल्दी समाप्त होने को फायदेमंद मान रहे हैं। इनका कहना है कि, अब इन जीवों को वसा संग्रह पर ज्यादा आश्रित नहीं रहना होगा, भोजन जल्दी मिलने लगेगा, इससे सरवाइवल रेट बढ़ेगी। लेकिन, दूसरी तरफ इससे परभक्षी जीवों का खतरा भी बढ़ जाएगा।

'जिसने 6 मुस्लिम देशों पर 26 हजार से ज्यादा बम बरसाये वो भारत को नसीहत दे रहे हैं'

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के हालिया बयान पर करारा कटाक्ष किया

- **निर्मला सीतारमण ने कहा कि, इस समय भारत और अमेरिका की दोस्ती नये आयाम चढ़ रही है, मैं विदेश के विषय में बेहद संयम बयान दे रही हूं। इसलिए मैं इस बारे में ज्यादा कुछ बोलना नहीं चाहती।**
- **निर्मला सीतारमण ने कहा कि, ऐसे लोग भारत की धार्मिक सहिष्णुता पर सवाल खड़े करते हैं जिनके हाथ खुद खून से रंगे हुये हैं, मेरा मानना है कि, लोग ऐसे लोगों की बातों पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं करेंगे।**
- **निर्मला सीतारमण ने बयान ओबामा के बयान की टाइमिंग पर भी सवाल उठाया उन्होंने कहा कि, यह आश्चर्यजनक था कि, जब प्रधानमंत्री अमेरिका के दौरे पर थे, तब एक पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति (बराक ओबामा) भारतीय मुसलमानों पर बयान दे रहे थे।**

नई दिल्ली, 25 जून। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अमेरिका और ईज़िप्ट के दौरे को लेकर महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। इस दौरान उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा लगाये गये आरोपों का भी कड़ा जवाब दिया।

गौरतलब है कि, मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने बयान दिया था कि, भारत तरक्की तो कर रहा है लेकिन भारत में अल्पसंख्यक समुदाय की स्थिति कुछ ठीक नहीं है। वहां धार्मिक आधार पर अल्पसंख्यकों के साथ काफी भेदभाव की स्थिति है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा पर निशाना साधा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि, यह आश्चर्यजनक था कि, जब प्रधानमंत्री अमेरिका के दौरे पर थे तब एक पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति (बराक ओबामा) भारतीय मुसलमानों पर बयान दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि, विदेश के विषय पर मैं बेहद संयम में रहकर बोल रही हूँ। ङ222 हम अमेरिका के साथ अच्छी दोस्ती चाहते हैं, लेकिन वहां से भारत की धार्मिक सहिष्णुता पर टिप्पणियां आती रहती हैं। लेकिन यह सब शायद उनकी (बराक ओबामा की) वजह से हैं। सीतारमण ने कहा कि, ये वही बराक ओबामा हैं जिन्होंने छः मुस्लिम देशों में 26,000 से ज्यादा बम बरसाए गए थे। मेरा मानना है कि, ओबामा की इन बातों पर लोग बिल्कुल भी भरोसा नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि, बहुत कम लोगों को अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने का अवसर मिला है। यह दूसरी बार है जब प्रधानमंत्री मोदी को संयुक्त सत्र को संबोधित करने के लिए बुलाया गया। साथ ही स्टैडिंग ओवेशन प्राप्त करना हम सभी के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस की संयुक्त सभा को संबोधित करने के लिए वहां के दोनों दलों द्वारा आमंत्रिण किया गया था। प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे के दौरान रक्षा उत्पादन और रोजगार के विषय पर कई महत्वपूर्ण समझौते हुए हैं।

निर्मला सीतारमण ने कहा कि, मुझे यह कहते हुए बेहद खुशी हो रही है कि, यह एक ऐसी यात्रा थी जहां भारत और अमेरिका दोनों ने अपनी साझेदारी को फिर से परिभाषित किया और ऐसे कदम उठाए जिसके परिणामस्वरूप हमारे राष्ट्रीय लक्ष्यों को अधिक से अधिक साकार किया जा सकेगा।

वित्त मंत्री ने सेमीकंडक्टर का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि, सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के विकास में एक महत्वपूर्ण और सार्थक मील के पत्थर साबित होगा। माइक्रोन गुजरात में अपना सेमीकंडक्टर और परीक्षण संयंत्र स्थापित करेगा। जिसमें कुल 2.75 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश होगा। अगले कुछ वर्षों में लगभग पांच हजार नई प्रत्यक्ष नौकरियां और लगभग 15 हजार अप्रत्यक्ष नौकरियां उत्पन्न होने की संभावना है।

निर्मला सीतारमण ने कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी को अब तक 13 देशों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका से हथियारबंद ड्रोन की खरीद और कीमत पर सोशल मीडिया में कई सवाल खड़े हो रहे हैं

सवाल यह है कि, 3072 मिलियन अमेरिकी डॉलर में 31 ड्रोन खरीदे जा रहे हैं, क्या यह सौदा अत्यधिक महंगा तो नहीं है?

- **रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि, अमेरिका से हथियारबंद ड्रोन के सौदे में कीमत और खरीद की शर्तों को लेकर सोशल मीडिया में लगाई जा रही अटकलबाजी अनुचित है और इसका उद्देश्य इस रक्षा सौदे एवं खरीद प्रक्रिया को पटरी से उतारना है।**
- **रक्षा मंत्रालय ने यह भी कहा है कि, अभी इस सौदे में कीमत तथा सेवा शर्तों को अंतिम रूप नहीं दिया गया है।**

नई दिल्ली 25 जून (वार्ता) रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि, अमेरिका से हथियारबंद ड्रोन के सौदे में कीमत और खरीद की शर्तों को लेकर सोशल मीडिया में लगाई जा रही अटकलबाजी अनुचित है और इसका उद्देश्य खरीद प्रक्रिया को पटरी से उतारना है।

मंत्रालय ने यह भी कहा है कि, अभी इस सौदे में कीमत तथा सेवा शर्तों को अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

मंत्रालय ने रविवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि अमेरिका से खरीदे जाने वाले 31 ड्रोन के बारे में सोशल मीडिया में अवांछित रिपोर्ट आ रही है और इनका इरादा गलत है तथा इस सौदे में बाधा पहुंचाना है। मंत्रालय ने कहा है कि, ड्रोन की कीमत और सेवा शर्तों को अभी बातचीत के आधार पर अंतिम रूप दिया जाना है। सरकार ने सभी से आग्रह किया है कि इस संबंध में किसी भी तरह की फर्जी खबर या गलत जानकारी ना फैलाई जाए क्योंकि इसका सशस्त्र सेनाओं के मनोबल पर तथा ड्रोन की खरीद प्रक्रिया पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

वक्तव्य में कहा गया है कि, रक्षा खरीद परिषद ने गत 15 जून को आवश्यकता के आधार पर 31 एमक्यू 9 बी ड्रोन की खरीद को मंजूरी दी थी। यह खरीद विदेशी सैन्य बिक्री श्रेणी के तहत तीनों सेनाओं के लिए की जा रही है। ड्रोन की यह खरीद सभी संबंधित उपकरणों के साथ की जाएगी।

अमेरिकी सरकार ने इस सौदे की कीमत 3072 मिलियन अमेरिकी डॉलर बताई है हालांकि कीमत के बारे में अंतिम फैसला अमेरिकी सरकार की ओर से नीतिगत मंजूरी मिलने के बाद बातचीत के आधार पर किया जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असम में 14-15 दिनों से लगातार मूसलाधार बारिश

नयी दिल्ली, 25 जून (वार्ता)। असम में बाढ़ से स्थिति बेहद खराब हो चुकी है करीब 1.5 लाख लोग परेशानी का सामना कर रहे हैं। बीते 14-15 दिनों से असम में मुसलाधार बारिश हो रही है। यहां के अधिकांश इलाके पूरी तरह से जलमग्न हो गये हैं। ऐसे में यहां के लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी एवं

- **मूसलाधार बारिश के कारण असम के 1.5 लाख से ज्यादा लोगों को रोजमर्रा का जीवन गंभीर संकट में पड़ गया है।**

कामकाज पर भी संकट उत्पन्न हो गया है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम में मूसलाधार वर्षा के कारण बाढ़ै जैसी स्थिति उत्पन्न होने के मद्देनजर मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा शर्मा से बात कर उन्हें केंद्र की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

शाह ने रविवार को ट्वीट कर कहा कि, असम में मूसलाधार बारिश के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुतिन ने बड़े ही खुफिया तरीके से तख्तापलट का प्रयास नाकाम किया

वैगनर लड़ाकों की सेना के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन के साथ राष्ट्रपति पुतिन ने सहमति बनाने में कामयाब हासिल की

- **वैगनर लड़ाकों की सेना के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन ने रूस की राजधानी मॉस्को की ओर बढ़ रहे अपने लड़ाकों को पीछे हटने और अपने ठिकानों पर लौटने का आदेश दिया है।**
- **प्रिगोझिन ने पहले कहा था कि वह रूस में तख्तापलट करने और न्याय बहाल करने का इरादा रखते हैं, इसी मंशा के साथ उन्होंने अपनी भाड़े की वैगनर सेना को मॉस्को की तरफ कूच करने का आदेश दिया था जिससे रूस में तख्तापलट की स्थिति बन गई थी।**

मॉस्को, 25 जून। रूस में तख्तापलट करने की मंशा से मॉस्को की तरफ कूच करने वाली विद्रोही वैगनर सेना को पीछे हटने का आदेश दिया गया है। वैगनर सेना के बॉस येवगेनी प्रिगोझिन ने शनिवार को कहा कि, उन्होंने रक्तपात से बचने के लिए अपनी सेना को वापस लौटने को कहा है। येवगेनी प्रिगोझिन ने रूस की राजधानी मॉस्को की ओर बढ़ रहे अपने लड़ाकों को पीछे हटने और अपने ठिकानों पर लौटने का आदेश दिया है।

प्रिगोझिन ने पहले कहा था कि, वह रूस में तख्तापलट करने और न्याय बहाल करने का इरादा रखते हैं, इसी मंशा के साथ उन्होंने अपनी भाड़े की वैगनर सेना को मॉस्को की तरफ कूच करने का आदेश दिया। प्रिगोझिन की बगावत पर पुतिन ने कहा कि, विद्रोह को निर्णायक रूप से दबाना होगा।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, बेलारूसी राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के ऑफिस ने कहा कि, उन्होंने पुतिन की सहमति से प्रिगोझिन से बात की थी और वैगनर मिलिशिया के प्रमुख ने स्थिति को कम करने पर सहमति व्यक्त की थी। अपनी प्रेस सेवा द्वारा जारी एक ऑडियो संदेश में, प्रिगोझिन ने कहा, "वे वैगनर सैन्य कंपनी को खत्म करना चाहते थे। हमने 23 जून को न्याय मार्च शुरू किया। 24 घंटों में हम मास्को के 200 किमी के भीतर पहुंच गए। इस दौरान हमने अपने सैनिकों के खून की एक भी बूंद नहीं बहने दिया।" प्रिगोझिन ने कहा, "अब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी को ईज़िप्ट का सर्वोच्च सम्मान

नई दिल्ली, 25 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रविवार को ईज़िप्ट के प्रतिष्ठित "ऑर्डर ऑफ द नील" राजकीय सम्मान से नवाजा गया। इस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी को अब तक 13 देशों ने अपने सर्वोच्च सम्मान से नवाज है। यह उपलब्धि हासिल करने वाले मोदी भारत के पहले प्रधानमंत्री

- **प्रधानमंत्री मोदी को रविवार को ईज़िप्ट के प्रतिष्ठित "ऑर्डर ऑफ द नील" सम्मान से नवाजा गया। इस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी को अब तक 13 देशों ने अपने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा है।**

हैं। ईज़िप्ट के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल सीसी ने भारतीय प्रधानमंत्री को यह सम्मान दोनों नेताओं की द्विपक्षीय बैठक से पहले दिया। बैठक के दौरान दोनों ने नेताओं ने कुछ अहम समझौतों पर दस्तखत भी किए। बता दें कि पीएम मोदी की अफ्रीकन देश की यह यात्रा 1997 के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा-झालावाड़, भरतपुर के रास्ते मानसून का प्रदेश में प्रवेश, 15 जिलों में बारिश

पिछले साल 30 जून को मानसून आया था, पर इस बार पांच दिन पहले ही एंट्री हो गई है

- **मौसम विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि, अगले पांच दिनों के दौरान पूर्वी मध्य और राष्ट्रीय राजधानी सहित उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने के आसार हैं।**

जयपुर, 25 जून। राजस्थान में रविवार को मानसून की एंट्री हो गई। मानसून ने भरतपुर, कोटा, झालावाड़ के रास्ते प्रदेश में प्रवेश किया। भरतपुर, अलवर, दौसा, करौली, सवाई माधोपुर, टोंक, धौलपुर, कोटा, बूंदी, झालावाड़, बारां, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, उदयपुर और चित्तौड़गढ़ में मानसून एक्टिव हो गया है। राजस्थान में भले ही इस बार मानसून के देरी से आने की भविष्यवाणी की जा रही थी, लेकिन ये सब फेल हो गई। मानसून ने अपने निर्धारित समय से केवल एक दिन की देरी से ही राज्य में प्रवेश किया है। सामान्यत: राजस्थान में मानसून की एंट्री 24 जून मानी जाती है। पिछले साल मानसून की एंट्री 30 जून को हुई थी।

मौसम केंद्र जयपुर के डायरेक्टर राधेश्याम शर्मा के मुताबिक पूरे राजस्थान में मानसून के एक्टिव होने में 2 से 4 दिन का समय लग सकता है। इस मानसून सीजन में बारिश सामान्य या उससे कम होने का पूर्वानुमान है।

मौसम केन्द्र जयपुर ने 26 से 28 जून तक राजस्थान में अच्छी बारिश होने का अनुमान जताया है। दक्षिण राजस्थान के 8 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इनमें बारां, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ, डूंगरपुर, झालावाड, कोटा, प्रतापगढ और उदयपुर शामिल हैं।

जबकि पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, जोधपुर, नागौर, पाली और श्रीगंगानगर को छोड़कर शेष जिलों में 26 से 28 जून तक अच्छी बारिश होने का अनुमान है।इसके अतिरिक्त दक्षिण-पश्चिम मानसून रविवार को दिल्ली पहुंचा, जिससे राष्ट्रीय राजधानी में बिजली गिरने के साथ भारी बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को बताया कि अगले दो दिनों के दौरान गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब के कुछ और हिस्सों और जम्मू-कश्मीर के शेष हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून आज (रविवार) मुंबई, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली सहित महाराष्ट्र के शेष हिस्सों को कवर करेगा।

आईएमडी के अनुसार, "यह आज गुजरात के कुछ हिस्सों, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के कुछ और हिस्सों में जाएगा।"

आईएमडी महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा, "दक्षिण-पश्चिम मानसून अभी सक्रिय है। मानसून मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, पंजाब और जम्मू के कुछ हिस्सों में भी पहुंच गया है। यह अगले 2 दिनों में आगे बढ़ेगा और अन्य हिस्सों में भी जाएगा।"

दिल्ली में मानसून के आते ही रविवार तड़के राष्ट्रीय राजधानी उसके आसपास के कई हिस्सों में बिजली गिरने के साथ भारी बारिश हुई।

महापात्र ने कहा, "दिल्ली में अधिकतम पांच सेमी बारिश दर्ज की गई, अगले दो दिनों तक बारिश जारी रहेगी।" बुलेटिन में राष्ट्रीय राजधानी और एनसीआर के आसपास के क्षेत्रों में अधिक बारिश के अनुमान जताए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि, अगले पांच दिनों के दौरान पूर्वी मध्य और राष्ट्रीय राजधानी सहित उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने के आसार हैं।

रिपोर्ट के अनुसार मुंबई क्षेत्र में अधिकतम 18 सेमी बारिश दर्ज की गई और आज भी भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। मध्य भारत में मानसून सक्रिय है। मौसम विभाग ने कहा कि, देश में अगले पांच दिनों के दौरान कोई लू नहीं चलेगी। जारी रिपोर्ट के अनुसार अगले पांच दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में चार से छह डिग्री सेल्सियस की कमी होने के आसार हैं।

अमेरिका में मालगाड़ी नदी में गिरी

लॉस एंजिलिस, 24 जून (वार्ता) अमेरिका के मोंटाना प्रांत में पुल के कुछ हिस्से ढहने से मालगाड़ी येलोस्टोन नदी में गिर गयी। अधिकारियों ने रविवार को कहा कि, इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की जानकारी नहीं है। काउंटी की आपदा और आपातकालीन सेवाओं के अनुसार, यह घटना मोंटाना के स्टिलवॉटर काउंटी में येलोस्टोन नदी को पार करने वाले रेल पुल पर स्थानीय समयानुसार लगभग छह बजे हुई। विभाग ने अपने फेसबुक पेज पर कहा, पुल ढह गया, और येलोस्टोन नदी में कई रेल डिब्बे गिर गये हैं। हमने पटरी से उतरने का कारण निर्धारित नहीं किया है। अधिकारियों ने शुरू में कहा कि मालगाड़ी से कम से कम सात डिब्बे, जिनमें गर्म डामर की तीन डिब्बे और पिघले हुए शामिल थीं।

- **अमेरिका के मोंटाना प्रांत में एक पुल का कुछ हिस्सा नीचे ढह जाने के कारण एक मालगाड़ी येलोस्टोन नदी में गिर गयी।**